कृष्णदेव प्रसाद गौड़ 'बेढ़ब बनारसी'

हंसोड़ परम्परा के जीवंत प्रतीक 'बेढ़ब बनारसी' यानी कृष्णदेव प्रसाद गौड़ का जन्म 11 नवम्बर, 1895 (1885) को वाराणसी में हुआ | उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने अध्यापन कार्य करते हुए इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान बनाया | शिक्षाशास्त्री की भूमिका के साथ ही उनका विनोदी रचनाकर भी सक्रिय रहा | उन्होंने हास्य-व्यंग कृत्रिमता से नहीं गढ़े बल्कि आस-पास के परिवेश से उठाये | वे काशी के बेढ़ब संपादक के रूप में चर्चित रहे | उन्होंने काशी नागरी प्रचारिणी पत्रिका, आंधी, प्रसाद, खुदा की राह पर, तरंग, बेढब, करेला जैसी पत्र-पत्रिकाओं का संपादन भी किया

उनकी प्रकाशित कृतियां हैं -

काव्य संग्रह बेढ़ब की बैठक (1940), काव्य कमल बिजली, बेढ़व की वाणी, नया जमाना, महत्व के गुमनाम पत्र, जब मैं मर गया था |

उपन्यास लेफ्टिनेंट पिगसन की डायरी

निबंध हुक्का पानी, उपहार

अन्य हिंदी साहित्य की रूपरेखा, हिंदी साहित्य का इतिहास |

उर्दू के काव्य गालिब की कविता, रूहे सुखन, बनारसी इक्का, गांधी का भूत और तनातन,

उनका निधन 6 मई, 1968 को हुआ |